



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W2CZ6600	ImageGroup:	I1KG1415
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	རྫོང་པཎ་ཆེན་གྱི་དག་སྒྲུང་ rdo ring paN chen gyi dag snang
Author:	རྫོང་པ་དངོས་གྲུབ་རབ་བརྟན་ rdo ring pa dngos grub rab brtan
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[lha sa]
Publisher:	[s. n.]
Date:	n/a
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 150 West 17th St, New York City, NY 10011, US. Comments: 2009

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा
सर्वकलहहर्त्रा सर्वद्वेषहर्त्रा
सर्वमोक्षदायकं कुरु सर्वदा

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

9

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

100

ॐ । अथ धीव पवित्रम् । अथ धीव पवित्रम् । अथ धीव पवित्रम् । अथ धीव पवित्रम् । अथ धीव पवित्रम् ।

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

ॐ ॥ ह्रीं क्लीं ॥ सुमं स उ व ऊ ई द धी मे स वे स य वि वा म य वि व । दे स ॥
 २ सु द र म य र म वि वा या य म ह ॥ य म द व स य द ह ॥ य व म ह उ म उ व र म र म स ॥
 ३ द म द व स ॥ य म द व उ द य म य म द व स ॥ य म द व स ॥ य म द व स ॥ य म द व स ॥
 ४ द म द व स ॥ य म द व स ॥ य म द व स ॥ य म द व स ॥ य म द व स ॥ य म द व स ॥
 ५ वि वा ह म द व ॥ य म द व स ॥ य म द व स ॥ य म द व स ॥ य म द व स ॥ य म द व स ॥
 ६ य म स उ म ह ॥ य म द व स ॥ य म द व स ॥ य म द व स ॥ य म द व स ॥ य म द व स ॥

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

ॐ । ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ अथ कर्तव्यं दत्तकं सप्तमं कर्तव्यं । अथ सप्तमं दत्तकं
 दत्तकं सप्तमं कर्तव्यं । ॐ दत्तकं सप्तमं कर्तव्यं दत्तकं सप्तमं कर्तव्यं दत्तकं सप्तमं कर्तव्यं
 ॐ दत्तकं सप्तमं कर्तव्यं दत्तकं सप्तमं कर्तव्यं दत्तकं सप्तमं कर्तव्यं दत्तकं सप्तमं कर्तव्यं
 अथ दत्तकं सप्तमं कर्तव्यं दत्तकं सप्तमं कर्तव्यं दत्तकं सप्तमं कर्तव्यं दत्तकं सप्तमं कर्तव्यं
 दत्तकं सप्तमं कर्तव्यं दत्तकं सप्तमं कर्तव्यं दत्तकं सप्तमं कर्तव्यं दत्तकं सप्तमं कर्तव्यं
 दत्तकं सप्तमं कर्तव्यं दत्तकं सप्तमं कर्तव्यं दत्तकं सप्तमं कर्तव्यं दत्तकं सप्तमं कर्तव्यं

[illegible]

36

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान्
 बभूवुः पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥ द्रुपदोऽपि
 धर्मपुत्रो वीर्यवान् ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

221

[illegible]

[illegible]

377261

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

135

五

[illegible]

५३

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

མིང་པར་མ་དེ་རྒྱུད་པ་སྐྱུ་མཚེས་རྣམས་ཀྱི་དོན་ཁལ་སྐྱོབ་ལ། དཔར་ལུང་པ་མིང་པ་སྐྱུ་མ་
 ལྷ་གསལ་གྱི་ཡུལ་སྐྱུ་མ་མཚེས་ཀྱི་པ་སྐྱུ་མ་པ་དེ་སྐྱུ་མ་སྐྱུ་མ་རྣམས་དཔྱད་ཅན་ཁོ་གི་སྐྱུ་མ་པ་པོ་དེ་
 པ་སྐྱུ་མ་དཔྱད་པ་སྐྱུ་མ་མཚེས་ཀྱི་སྐྱུ་མ་པོ་ལྷ་གསལ་པ་སྐྱུ་མ་མཚེས་ཀྱི་སྐྱུ་མ་པོ་ལྷ་གསལ་པ་སྐྱུ་མ་པོ་དེ་
 ལྷ་གསལ་པ་སྐྱུ་མ་པོ་དེ་ལྷ་གསལ་པ་སྐྱུ་མ་པོ་དེ་ལྷ་གསལ་པ་སྐྱུ་མ་པོ་དེ་ལྷ་གསལ་པ་སྐྱུ་མ་པོ་དེ་
 ལྷ་གསལ་པ་སྐྱུ་མ་པོ་དེ་ལྷ་གསལ་པ་སྐྱུ་མ་པོ་དེ་ལྷ་གསལ་པ་སྐྱུ་མ་པོ་དེ་ལྷ་གསལ་པ་སྐྱུ་མ་པོ་དེ་
 ལྷ་གསལ་པ་སྐྱུ་མ་པོ་དེ་ལྷ་གསལ་པ་སྐྱུ་མ་པོ་དེ་ལྷ་གསལ་པ་སྐྱུ་མ་པོ་དེ་ལྷ་གསལ་པ་སྐྱུ་མ་པོ་དེ་
 ལྷ་གསལ་པ་སྐྱུ་མ་པོ་དེ་ལྷ་གསལ་པ་སྐྱུ་མ་པོ་དེ་ལྷ་གསལ་པ་སྐྱུ་མ་པོ་དེ་ལྷ་གསལ་པ་སྐྱུ་མ་པོ་དེ་
 ལྷ་གསལ་པ་སྐྱུ་མ་པོ་དེ་ལྷ་གསལ་པ་སྐྱུ་མ་པོ་དེ་ལྷ་གསལ་པ་སྐྱུ་མ་པོ་དེ་ལྷ་གསལ་པ་སྐྱུ་མ་པོ་དེ་

ལུས་ཉིད་ལ། །གཞན་པ་སྒྲུབ་པ་ལ་མཛད་པའི་སྒྲུབ་པ་ཉིད་ལ། །དེས་པ་དེ་དཔེ་ལྟར་སྒྲུབ་པ་ལ། །
 དཔེ་ལྟར་སྒྲུབ་པ་ལ་མཛད་པའི་སྒྲུབ་པ་ལ། །མཛད་པའི་སྒྲུབ་པ་ལ་མཛད་པའི་སྒྲུབ་པ་ལ། །
 ཉིད་ལ་མཛད་པའི་སྒྲུབ་པ་ལ་མཛད་པའི་སྒྲུབ་པ་ལ། །མཛད་པའི་སྒྲུབ་པ་ལ་མཛད་པའི་སྒྲུབ་པ་ལ། །
 མཛད་པའི་སྒྲུབ་པ་ལ་མཛད་པའི་སྒྲུབ་པ་ལ། །མཛད་པའི་སྒྲུབ་པ་ལ་མཛད་པའི་སྒྲུབ་པ་ལ། །
 མཛད་པའི་སྒྲུབ་པ་ལ་མཛད་པའི་སྒྲུབ་པ་ལ། །མཛད་པའི་སྒྲུབ་པ་ལ་མཛད་པའི་སྒྲུབ་པ་ལ། །
 མཛད་པའི་སྒྲུབ་པ་ལ་མཛད་པའི་སྒྲུབ་པ་ལ། །མཛད་པའི་སྒྲུབ་པ་ལ་མཛད་པའི་སྒྲུབ་པ་ལ། །
 མཛད་པའི་སྒྲུབ་པ་ལ་མཛད་པའི་སྒྲུབ་པ་ལ། །མཛད་པའི་སྒྲུབ་པ་ལ་མཛད་པའི་སྒྲུབ་པ་ལ། །

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ཨྲ། འི་ཕྱི་མཉམ་པར་བཞག་པུ་ལུ། འམ་མཁའ་པལ་ལྷ་ལུ་འཁྱིལ་ཏིང་པོ་དང་།
 རིམ་ཐོབ་ཕྱི་པར་འཁྱིལ་པུ་ལུ་ལུ། འམ་མཁའ་པལ་ལྷ་ལུ་འཁྱིལ་ཏིང་པོ་དང་། འམ་མཁའ་པལ་ལྷ་ལུ་
 འཁྱིལ་ཏིང་པོ་དང་། འམ་མཁའ་པལ་ལྷ་ལུ་འཁྱིལ་ཏིང་པོ་དང་། འམ་མཁའ་པལ་ལྷ་ལུ་འཁྱིལ་ཏིང་པོ་དང་།
 འམ་མཁའ་པལ་ལྷ་ལུ་འཁྱིལ་ཏིང་པོ་དང་། འམ་མཁའ་པལ་ལྷ་ལུ་འཁྱིལ་ཏིང་པོ་དང་། འམ་མཁའ་པལ་ལྷ་ལུ་
 འཁྱིལ་ཏིང་པོ་དང་། འམ་མཁའ་པལ་ལྷ་ལུ་འཁྱིལ་ཏིང་པོ་དང་། འམ་མཁའ་པལ་ལྷ་ལུ་འཁྱིལ་ཏིང་པོ་དང་།
 འམ་མཁའ་པལ་ལྷ་ལུ་འཁྱིལ་ཏིང་པོ་དང་། འམ་མཁའ་པལ་ལྷ་ལུ་འཁྱིལ་ཏིང་པོ་དང་། འམ་མཁའ་པལ་ལྷ་ལུ་
 འཁྱིལ་ཏིང་པོ་དང་། འམ་མཁའ་པལ་ལྷ་ལུ་འཁྱིལ་ཏིང་པོ་དང་། འམ་མཁའ་པལ་ལྷ་ལུ་འཁྱིལ་ཏིང་པོ་དང་།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷六

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

84

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

91

991

[illegible]

ॐ । ॥ दीप्यमाना एषा तृतीया यथा विद्यते तत्रैव विद्यमाना यथा विद्यते तत्रैव विद्यमाना यथा विद्यते तत्रैव विद्यमाना ॥
 ॥ यथा विद्यते तत्रैव विद्यमाना यथा विद्यते तत्रैव विद्यमाना यथा विद्यते तत्रैव विद्यमाना ॥

94